श्री नेहरू सरल हिंदी के पक्ष में

इलाहाबाद, ६ अप्रैल। प्रधान मंत्री श्री नेहरू ने कल यहां यह सुझाव दिया कि हिन्दी ऐसी सरल भाषा में लिखी जाय कि सब लोग उसे समझ सकें।

आपने भारत के कतिपय भागों में की जाने वाली हिंदी की आलोचना के प्रति संकेत किया और कहा कि मेरे नौकर हिन्दी समाचार पत्रों को पढ़ते हैं किंतु वे कुछ भी समझ नहीं पाते हैं। मेरा कहने का मतलब यह है कि यह ऐसी सरल भाषा में लिखी जाय कि सब लोग उसे समझ लें।

प्रधान मंत्री ने कहा कि संस्कृत वर्तमान हिंदी से कहीं अधक सरल है।

आपने कहा कि हिंदी समाचार पत्रों के प्रसार के लिए व्यापक क्षेत्र है बशर्ते कि वे हिंदी के पाठकों की रुचि को हृदयंगम क। आपने कहा कि लोग बंगला साहित्य को आसानी से समझ लेते हैं। यही हाल मराठी तथा गुजराती का भी है। जनसाधारण एवं साहित्य में कोई विभिन्नता नहीं है। किन्तु हिंदी में महान विभिन्नता है। यह सत्य है कि ब्रिटिश हुकूमत के दर्म्यान हिंदी का दमन किया गया किंतु अब ऐसी बात नहीं है। हिन्दी-प्रेमी अपनी भाषा का विकास करने के बजाय अन्य भाषा उर्दू को नीचा दिखाने में संलग्न हैं। उर्दू के खिलाफ जब तक विरोधी कार्रवाई जारी रहेगी, तब तक हिंदी का विकास न होगा।

आपने कहा कि साहित्यिक दृष्टि से भी यह आवश्यक है कि हिन्दी चुस्त, सरल हो तथा छोटे-छोटे वाक्य लिखे जायं।

National Archives of India